भारतपर्व

लोकतंत्र का लोक उत्सव

e-i- e ftykokj vk;ktu

Hkkjr io ij eMyk e ukVd
^ekuck/k ckc* dk epu gkxk

eMykA 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के पहले आयोजन ***Hkkjr io*** में मंडला जिले की भी भागीदारी रहेगी। इस दिन नाटक **ekuck/k ckc** का मंचन किया जाएगा। **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd`fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से गणतंत्र दिवस पर आयोजित **Hkkjr io** के अवसर पर मध्यप्रदेश की उपलब्धि की विकास यात्रा प्रदर्शनी भी आयोजित किये जाने की तैयारी है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

जबलपुर की प्रमुख नाट्य संस्था **foopuk** के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत यह नाटक **ekuck/k ckc]** श्री चन्द्रकिशोर जायसवाल की कहानी का नाट्य रूपांतरण है। मानबोध बाबू को केन्द्र में रखकर पटकथा बुनी गई है। बातूनी मानबोध बाबू ने मुंबई, दिल्ली और कलकत्ता तीनों महानगर देखें हैं किन्तु मानबोध बाबू के लिए गांवों और जंगलों में रहने वाले स्वतंत्र और आत्मसम्मान के साथ जीने वाले लोग महत्व रखते हैं। मानबोध बाबू का अपना दर्शन है और उनके लिए यही सच है। मानबोध बाबू के चरित्र के आसापास घटती घटनाओं में स्वतंत्रता संग्राम की घटनाओं को खूबसूरती से पिरोया गया है। यह नाटक आरंभ से अंत तक दर्शकों को बांधे रखता है। नाटक के निर्देशक श्री हिमांशु राय हैं।

नाट्य संस्था विवेचना की स्थापना लगभग 48 साल पहले 1961 में प्रदेश के दिग्गज सर्वश्री हरिशंकर परसाईं, प्रो. ताम्हनकर एवं मायाराम सुरजन ने की थी। तब विवेचना का राष्ट्रीय, प्रादेशिक एवं स्थानीय ज्वलंत समस्याओं के तथ्यपरक विवेचन करने की दृष्टि थी। 1975 से विवेचना नुक्कड़ नाटकों एवं नाटकों के माध्यम से समस्याओं को आम आदमी के बीच सहज ढंग से रखने की शुरूआत की। विवेचना अब तक 60 से अधिक नाटकों के मंचन एवं 10 राष्ट्रीय नाट्य समारोह का आयोजन कर चुकी है। नाटकों के अतिरिक्त फोटोग्राफी, संगीत, गायन एवं वादन के साथ ही लोककलाओं के संरक्षण व संवर्धन के लिए भी यह संस्था कार्य कर रही है। जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाने और आम आदमी को जागरुक बनाने की दिशा में विवेचना की विशेष भूमिका रही है।

Hkkjr io ij fNnokMk e ukVd
^gl k djy fdyk* dk epu gkxk

fNnokMkA गणतंत्र दिवस के अवसर पर जबलपुर की नाट्य संस्था नाटक **^gl k dj y fdyk*** का प्रदर्शन करेगी। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के पहले आयोजन ***Hkkjr io*** पर छिंदवाड़ा जिले में भी विशेष आयोजन किया जा रहा है। **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से गणतंत्र दिवस पर आयोजित **Hkkjr io** के अवसर पर मध्यप्रदेश की उपलब्धि की विकास यात्रा प्रदर्शनी भी आयोजित किये जाने की तैयारी है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में कई ऐसे प्रसंग समाहित हैं जिनके बारे में नयी पीढ़ी को नहीं मालूम और ऐसे ही अनजान प्रसंगों से परिचय कराने के लिए विभिन्न माध्यम गीत, संगीत और नाटकों के साथ फोटो प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में विवेचना की प्रस्तुति **gl k dj y fdyky** का प्रदर्शन किया जाएगा। यह नाटक बुंदेला विद्रोह को केन्द्र में रखकर तैयार किया गया है। यह ऐतिहासिक विद्रोह, 1857 के विद्रोह के पूर्व हुआ था और इस विद्रोह के नायक बुंदेला वीर मधुकर शाह हैं। नाटक में बताया गया है कि बुंदेली कला, साहित्य और संस्कृति को हथियार बनाकर अंग्रेजों के हौसले पस्त किए गए। अपने प्रदर्शन के पूरे समय दर्शकों को बांध लेने वाले इस नाटक में बुंदेली गीत और संगीत के साथ ही दर्शक नृत्य का भी आनंद ले सकेंगे।

जबलपुर की नाट्य संस्था विवेचना की स्थापना लगभग 48 साल पहले 1961 में प्रदेश के दिग्गज सर्वश्री हरिशंकर परसाईं, प्रो. ताम्हनकर एवं मायाराम सुरजन ने की थी। तब विवेचना का राष्ट्रीय, प्रादेशिक एवं स्थानीय ज्वलंत समस्याओं के तथ्यपरक विवेचन करने की दृष्टि थी। 1975 से विवेचना नुक्कड़ नाटकों एवं नाटकों के माध्यम से समस्याओं को आम आदमी के बीच सहज ढ़ंग से रखने की शुरूआत की। विवेचना के अब तक 60 से अधिक नाटकों के मंचन एवं 10 राष्ट्रीय नाट्य समारोह का आयोजन कर चुकी है। विवचेना नाटकों के अतिरिक्त फोटोग्राफी, संगीत, गायन एवं वादन के साथ ही लोककलाओं के संरक्षण व संवर्धन के लिए भी कार्य कर रही है। जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाने और आम आदमी को जागरूक बनाने की दिशा में विवेचना का विशेष भूमिका रही है।

Hkkjr io ij jryke e lfp=k dh uR;ukfVdk ,o dYiuk dk xk;u

jrykeA गणतंत्र दिवस के अवसर पर पूरे राज्य के साथ रतलाम में भी आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 26 जनवरी की शाम सुचित्रा हरमलकर की अनुकृति एवं कल्पना झोकरकर के शास्त्रीय गायन से सुरमयी होगी। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के पहले आयोजन ***Hkkjr io*** पर यह विशेष आयोजन किया जा रहा है। **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd`fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से गणतंत्र दिवस पर आयोजित **Hkkjr io** के अवसर पर मध्यप्रदेश की उपलब्धि की विकास यात्रा प्रदर्शनी भी आयोजित किये जाने की तैयारी है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

आदिकाल से नारी पुरूष की प्रेरणा रही है। नारी के सहयोग और साथ का परिणाम रहा कि पुरूष ने हर बार विजय हासिल की। रायगढ़ घराने की सिद्धहस्त नृत्यांगना सुश्री सुचित्रा हरमलकर ने सत्यम् शिवम् सुंदरम को अपनी नृत्य नाटिका अनुकृति में बेहद खूबसूरत ढंग से प्रस्तुत किया है। स्वर्गीय कार्तिकराम की शिष्या सुचित्रा के प्रदर्शन हमेशा से सराहे गये। इस बार रतलाम के कलारसिकों के लिए यह एक अलग तरह का अनुभव देने वाला अवसर होगा। इसी शाम सुश्री कल्पना झोकरकर अपना गायन प्रस्तुत करेंगी। शास्त्रीय संगीत की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखने वाली कल्पना का गायन श्रोता–दर्शकों को आनंदित कर देता है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर यह आयोजन आने वाले कई वर्षों तक लोगों के दिलो–दिमाग पर छाया रहेगा।

Hkkjr io' ij /kkj esa vuqjk/kkflag dk eksgd u`R; ,oa fLerk dk flrkj oknu

/kkjA ऐतिहासिक नगरी धार में भारत पर्व के अवसर पर कलारसिक देश की नामचीन नृत्यांगना अनुराधासिंह के कथक नृत्य से जहां बंध जाएंगे वहीं स्मिता का सितार उन्हें एक नया अनुभव करायेगी। गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी की शाम 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के पहले आयोजन ***Hkkjr io'*** पर यह विशेष आयोजन किया जा रहा है। **Lojkt laLFkku lapkyuky;] laLd`fr foHkkx] Hkksiky** द्वारा **tulEidZ lapkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से गणतंत्र दिवस पर आयोजित **Hkkjr io'** के अवसर पर मध्यप्रदेश की उपलब्धि की विकास यात्रा प्रदर्शनी भी आयोजित किये जाने की तैयारी है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io'** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io'** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

कथक नृत्य में अनुराधासिंह का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है। गुरू रामलाल से कथक का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली सुश्री अनुराधा ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थित इंदिरा गांधी संगीत विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री प्राप्त की। उन्हें नृत्य प्रतिभा के लिए स्वर्णपदक प्रदान किया गया। देश भर के अलग अलग हिस्सो में अनुराधा ने नृत्य प्रदर्शन किया है। इसी शाम अपने सितार से कलारसिकों को मोहने के लिए अपनी प्रस्तुति देने जा रही स्मिता नागदेव भी एक जाना–पहचाना नाम हैं। सितार के तार बजते ही एक समां सा बंध जाता है और कलारसिक मंत्रमुग्ध होकर खो जाते हैं। कई बड़े आयोजनों और शहरों में अपने फन से लोगों को मुग्ध करने वाली स्मिता के सितार वादन से धार के कलारसिक भी आनंद ले पाएंगे।

भारत पर्व

dhfrl dk xk;u vkj Hkkjrh dk HkjrukV';e
l 'kktkij e euxk Hkkjr io

'kktkiqjA राज्य के दूसरे शहरों के साथ शाजापुर में भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित भारत पर्व गीत एवं नृत्य का आयोजन किया जा रहा है। शास्त्रीय संगीत की माहिर गायिका कीर्ति अजय सूद का गायन तथा भारती होम्बल इस अवसर पर भरत नाट्यम की प्रस्तुति देंगी। गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी की शाम 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के पहले आयोजन ***Hkkjr io*** पर यह विशेष आयोजन किया जा रहा है। **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से गणतंत्र दिवस पर आयोजित **Hkkjr io** के अवसर पर मध्यप्रदेश की उपलब्धि की विकास यात्रा प्रदर्शनी भी आयोजित किये जाने की तैयारी है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

कीर्ति अजय सूद ने देश के प्रख्यात संतूर वादक लतीफ खां से संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उनकी सांगीतिक शिक्षा–दीक्षा किराना घराने के पंडित सिद्धराम स्वामी के निर्देशन में भी हुई। ग़जल़ गायिकी में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाली कीर्ति आल इंडिया रेडियो की ए ग्रेड की गायिका हैं। कीर्ति ने कई शहरों में अपना कार्यक्रम प्रस्तुत किया है और सभी कार्यक्रमों में उनकी भूरी–भूरी प्रशंसा हुई है। इस शाम भरतनाट्य प्रस्तुत करने वाली भारती होम्बल भी एक सुपरिचित नाम हैं। भारती मध्यप्रदेश की गौरव हैं और उनकी नृत्य कौशल की कलारसिकों और समीक्षकों ने समय समय पर सराहना की है। यह शाजापुर के कलाप्रेमियों के लिए गणतंत्र पर्व पर अनुपम उपहार है जो उन्हें लम्बे समय तक अपने स्मरण में रहेगा।

भारत पर्व

fofn’kk e Hkkjr io ij xtxk n’kHkfDr xhr c/kkbl uR; dh Hkh gkxh iLrfr

fofn’kkA गणतंत्र दिवस 26 जनवरी की शाम 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के पहले आयोजन ***Hkkjr io*** पर यह विशेष आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सज्जनलाल ब्रह्मभट्ट की संस्था देशभक्ति के गीतों की प्रस्तुति देंगी वहीं लोककलाकार लोकनृत्य बधाई नृत्य की प्रस्तुति देंगे। **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk i’kklu** के सहयोग से गणतंत्र दिवस पर आयोजित **Hkkjr io** के अवसर पर मध्यप्रदेश की उपलब्धि की विकास यात्रा प्रदर्शनी भी आयोजित किये जाने की तैयारी है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

सज्जनलाल ब्रह्मभट्ट की संस्था काकली वृंद लम्बे समय से देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देती आ रही है। देश के इस महान पर्व पर एक बार फिर काकली वृंद के गायक दल देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगे। सज्जनलाल ब्रह्मभट्ट के निर्देशन एवं चैतन्य भट्ट के संयोजन में निराला, प्रसाद, माखनलाल चतुर्वेदी एवं भवानी प्रसाद मिश्र के गीतों का गायन होगा। दल बुंदेली लोकगीत एवं सूफी कलाम भी प्रस्तुत करेंगे।

इसी शाम विदिशा के नागरिक मदन लाल रजक के निर्देशन में बधाई लोकनृत्य का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। बुंदेलखंड में जन्म विवाह और तीज–त्यौहारों पर तथा मनौती पूरी हो जाने के अवसर पर बधाई नृत्य की परम्परा है। बधाई नर्तकों की वेशभूषा और उनका अंग संचालन सहज ही मोहित करता है। गणतंत्र पर्व के अवसर पर देशभक्ति गीतों के साथ दर्शक लोकनृत्य का आनंद भी ले सकेंगे।

भारत पर्व

Hkkjr io/ ij ^ftl ykgkSj ugha ns[;k* dk eapu bankSj esa

bankSjA गणतंत्र दिवस 26 जनवरी की शाम 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के पहले आयोजन ***Hkkjr io/*** के अवसर पर नाटक **ftl ykgkSj ugha ns[;k** का मंचन किया जाएगा। **Lojkt lLFkku lapkyuky;] laLd`fr foHkkx] Hkksiky** द्वारा **tulEidZ lapkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से गणतंत्र दिवस पर आयोजित **Hkkjr io/** के अवसर पर मध्यप्रदेश की उपलब्धि की विकास यात्रा प्रदर्शनी भी आयोजित किये जाने की तैयारी है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io/** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io/** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

एक लम्बे संघर्ष के बाद देश ने स्वाधीन होने का सुख तो पाया लेकिन विभाजन एक घाव भी दे गया। विभाजन की पीड़ा के साथ मानवता और मोहब्बत का एक रिश्ता भी इसी दौर में लोगों ने देखा जो विभाजन से खत्म नहीं बल्कि मजबूत होता है। भावना प्रधान इस नाटक की प्रस्तुति प्रयोग संस्था के नामचीन नाट्य निर्देशक सतीश मेहता के निर्देशन में होगा। नाटक असगर वजाहत ने लिखा है। गणतंत्र पर्व पर ऐसी यादों को कुरेद लेने से पीड़ा तो होती ही है लेकिन एक सीख मिलती है कि उस दौर मे भी इंसानियत कायम थी और इस दौर में भी उसे बनाये रखना है। सतीश मेहता एक मंजे हुए नाट्य निर्देशक हैं और अपनी बात बहुत सहजता से दर्शकों के मन में बिठा देते हैं। इंदौर के नाट्यप्रेमियों के लिए यह यादगार क्षण होगा जब वे इस नाटक को देखेंगे।

भारत पर्व

Hkkjr io ij ukVd d cgku
gse dkyk.kh dh ;kn

clryA हेमू कालाणी को भला कौन भूल सकता है? न आप न मैं किन्तु हेमू कालाणी की शहादत से नयी पीढ़ी को अवगत कराना भी जरूरी है और इसलिए नाटक के बहाने हेमूकालाणी का स्मरण किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी की शाम 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के पहले आयोजन ***Hkkjr io*** के अवसर पर नाटक 'हेमू कालाणी' का मंचन किया जाएगा। **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk i’kklu** के सहयोग से गणतंत्र दिवस पर आयोजित **Hkkjr io** के अवसर पर मध्यप्रदेश की उपलब्धि की विकास यात्रा प्रदर्शनी भी आयोजित किये जाने की तैयारी है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव—विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

स्वाधीनता के महासंग्राम में हिस्सेदारी करने वाले की न तो जात पूछी जाती थी और न उसका रूतबा। उस दौर में तो देशभक्ति ही एक संदेश था। अनेक नौजवानों ने अपने अपने ढंग से देश को स्वतंत्र कराने में अपने प्राणों की आहूति दे डाली थी। इन्हीं वीरों में एक था हेमू कालाणी। 9 अगस्त 1942 को गांधीजी के पुकारे जाने पर यह नौजवान अपनी जिंदगी से खेल गया। स्वराज सेना का यह वीर सैनिक अंग्रेजों के अत्याचार से न टूटा और न जान बचाने की चिंता की। निर्मम अंग्रेजों ने हेमू को फांसी पर लटका दिया। हंसते हंसते अपने प्राणों का बलिदान करने वाले हेमू आज भी करोड़ों नौजवान के लिए आदर्श है।

हेमू कालाणी नाटक का निर्देशन सुपरिचित नाट्य निर्देशक अशोक बुलानी ने किया है। नाट्य संस्था रंगसमूह भोपाल की प्रस्तुति हेमू कालाणी पहले से भी दर्शकों के मन में रचा—बसा हुआ है। एक बार फिर दर्शकों और देशभक्तों को यह याद दिलाने के लिए जिंदगी से बड़ी चीज देश है और देश के लिए मिटने वाले शहीद कहलाते हैं।

jktx< e Hkkjr io ij gkxk
ohjkxuk ^vthtu ckbZ* dk epu

jktx<A स्वाधीनता संग्राम में जंगल से शहर तक सबकी भागीदारी थी। स्वाधीनता संग्राम में पुरूषो के साथ कंधे से कंधा मिलाकर गोरों के आतंक का सामना करने में भारतीय महिलाएं भी पीछे नहीं थीं। इन्ही में एक नाम था नर्तकी अज़ीज़न बाई का, जिन्होंने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। अज़ीज़न बाई को केन्द्र में रखकर तैयार नाटक का मंचन गणतंत्र दिवस 26 जनवरी की शाम, 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ के पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के पहले आयोजन ***Hkkjr io*** के अवसर किया जाएगा। **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से गणतंत्र दिवस पर आयोजित **Hkkjr io** के अवसर पर मध्यप्रदेश की उपलब्धि की विकास यात्रा प्रदर्शनी भी आयोजित किये जाने की तैयारी है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

स्वाधीनता के महासंग्राम में कानपुर एक महत्वपूर्ण स्थान था। इसी दौर में नर्तकी अज़ीज़न बाई ने भी देशभक्ति का बीड़ा उठाया और निकल पड़ी अंग्रेजों को पराजित करने के लिए। तात्या टोपे के आदेश पर वह अपने नृत्य–संगीत के बहाने अंग्रेजों की टोली में घुस जाती और अपने मतलब की जानकारी निकाल कर वह तात्याटोपे को दे देती। अज़ीज़न बाई के नृत्य एवं गीत में मस्त अंग्रेजों को इस बात का होश ही नहीं था कि कोई उनकी भी जासूसी कर सकता है। इधर अज़ीज़न ने कई महिलाओं को नाच गाना सिखाकर टोली बना ली और उसका नाम दिया मस्तानी टोली। एक समय वह अंग्रेजों की चंगुल में आ ही गई और उसे क्षमा मांगने के लिए कहा गया लेकिन आत्मस्वाभिमानी अज़ीज़न ने माफी के बदले मृत्यु मांगी। अज़ीज़न बाई को रंगमंच और टेलीविजन की जानी–पहचानी निर्देशिका प्रीति त्रिपाठी ने निर्देशित किया है। प्रीति कई और नाटकों का निर्देशन कर चुकी हैं और अज़ीज़न बाई का भी उन्होंने सफलतापूर्वक निर्देशन किया है। गणतंत्र दिवस के इस महान पर्व पर अज़ीज़न बाई जैसी वीरांगना को स्मरण कर हम अपनी कृतज्ञता ज्ञापित कर खुद को भाग्यशाली मानते हैं।

ej|uk e: ^fcu ckrh d: nhi*
dk epu Hkkjr io ij

ejlukA मानव जीवन में महत्वाकांक्षा है तो उसे पूरा करने के लिए साजिश रचना भी अस्वाभाविक नहीं किन्तु इसी समाज में समर्पण भी है और त्याग भी। एक भावनाप्रधान नाटक **fcu ckrh d: nhi** का मंचन गणतंत्र दिवस 26 जनवरी की शाम 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ के पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के पहले आयोजन ***Hkkjr io*** के अवसर किया जाएगा। **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से गणतंत्र दिवस पर आयोजित **Hkkjr io** के अवसर पर मध्यप्रदेश की उपलब्धि की विकास यात्रा प्रदर्शनी भी आयोजित किये जाने की तैयारी है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

नाटक **fcu ckrh d: nhi** एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो साधारण कवि है लेकिन उसकी तमन्ना मशहूर होने की है। ऐसे में वह प्रतिभाशाली उपन्यासकार विशाखा से शादी कर लेता है। दुर्भाग्य से उपन्यास लेखन के समय लेखिका की आंखों की रोशनी चली जाती है और अवसर का लाभ उठाकर औसत दर्जे का कवि उस उपन्यास को अपने नाम से प्रकाशित करवा लेता है। पति के भरोसे पर विशाखा का लेखन जारी है और पति साजिश रचकर उसे हमेशा नेत्रहीन बनाये रखने की कुटिल चाल चलता है। आखिर जीत सच्चे की होती है और लाख कोशिश करने के बावजूद विशाखा की आंखें ठीक हो जाती हैं।

आर्टिस्ट कम्बाइन ग्वालियर की प्रस्तुति **fcu ckrh d: nhi** का निर्देशन वरिष्ठ रंगनिर्देशक वसंत पराजंपे ने किया है। आर्टिस्ट कम्बाइन ग्वालियर 70 वर्षों से हिन्दी और मराठी रंगमंच के लिए समर्पित संस्था है। खास बात यह है कि यह नाट्य संस्था देश के उन चुनिंदे नाट्य संस्थाओं में से एक है जिनका साढ़े पांच सौ दर्शकों के बैठने के लिए स्वयं का सभागार है। आर्टिस्ट कम्बाइन की यह प्रस्तुति दर्शकों को जरूर प्रभावित करेगी।

Xokfy;j e Hkkjr io ij uR;ukfVdk ^>klh dh jkuh* ,o l/kkdj dk xk;u gkxk

Xokfy;jA खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी, पंक्ति भला किसे याद न होगी लेकिन प्रख्यात नृत्यांगना लतासिंह ने वीरांगना लक्ष्मीबाई को अपने नृत्य नाटिका में विशेष रूप से प्रस्तुत किया है। इसी दिन सुधाकर देवले अपना गायन प्रस्तुत करेंगे। यह प्रस्तुति गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी की शाम 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ के पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के पहले आयोजन ***Hkkjr io*** के अवसर पर की जाएगी। **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से गणतंत्र दिवस पर आयोजित **Hkkjr io** के अवसर पर मध्यप्रदेश की उपलब्धि की विकास यात्रा प्रदर्शनी भी आयोजित किये जाने की तैयारी है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

झांसी की रानी वीरांगना लक्ष्मीबाई के शौर्य से भला कौन अपरिचित होगा। वीरांगना के इस शौर्यगाथा को नृत्यांगना लतासिंह अपनी विशिष्ट नृत्यशैली में प्रस्तुत करने जा रही हैं। लतासिंह की यह अद्‌भुत प्रस्तुति है जो दर्शकों को मोहेगी नहीं बल्कि रोमांचित करेगी। रानी लक्ष्मीबाई का एक नया रूप इस नृत्य नाटिका में दर्शकों को देखने के लिए मिलेगा। इसी दिन दर्शकों को अपने गायन से सुधीर देवले बांध लेंगे। सुपरिचित गायक सुधीर इसके पहले भी अनेक स्थानों पर प्रदर्शन कर चुके हैं। गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर उनका गायन देशभक्ति से पूर्ण होगा।

f’koiqjh esa Hkkjr ioZ ij Hkkjrh dk xk;u vkSj euh"k dk yksduR;

f’koiqjhA गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी की शाम 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ के पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के पहले आयोजन ***Hkkjr ioZ*** के अवसर पर भारती विश्वनाथन का गायन एवं मनीष यादव की टीम बरेदी लोकनृत्य की प्रस्तुति देंगे। **Lojkt laLFkku lapkyuky;] laLd`fr foHkkx] Hkksiky** द्वारा **tulEidZ lapkyuky;** एवं **ftyk iz’kklu** के सहयोग से गणतंत्र दिवस पर आयोजित **Hkkjr ioZ** के अवसर पर मध्यप्रदेश की उपलब्धि की विकास यात्रा प्रदर्शनी भी आयोजित किये जाने की तैयारी है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr ioZ** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr ioZ** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

भारती विश्वनाथन को संगीत विरासत में ही मिला। संगीत की प्राथमिक शिक्षा घर पर माता–पिता के निर्देशन में पूरी हुई। थोड़े समय में भारती ने अपनी संगीत प्रतिभा से लोगों को चकित कर दिया। आज वे देश के कई अलग अलग मंचों पर कार्यक्रम देने जाती हैं। ग़ज़ल में विशेष रूचि रखने वाली भारती अनवर हुसैन खा साहब से संगीत की बारीकियां सीख रही हैं। इस कार्यक्रम में वे देशभक्ति तरानों की प्रस्तुति देंगी। इसी दिन मनीष यादव की टीम लोकनृत्य बरेदी की प्रस्तुति देंगे। बरेदी बुंदेलखंड का प्रमुख लोकनृत्य है और इसकी प्रस्तुति दीपावली पर्व के अवसर पर किया जाता है। इस नृत्य प्रस्तुति में लगभग आठ युवक और किशोर शामिल होते हैं। चटख रंग के कपड़े पहने ये युवक सहज ही लोगों को आकर्षित कर लेते हैं।

Hkkjr io ij v'kkduxj e
tu;k)k VV;k dk epu

v'kkduxjA स्वाधीनता के महासंग्राम में सभी वर्गों की भागीदारी रही। जनजातीय समाज में भी स्वतंत्रता के प्रति चेतना थी और यही कारण है कि समय ऐसे जनयोद्धाओं को इतिहास के पन्ने पर दर्ज कर गया। **tu;k)k VV;k** पर केन्द्रित नाटक का मंचन गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी की शाम 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ के पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के पहले आयोजन ***Hkkjr io*** के अवसर पर किया जा रहा है। **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से गणतंत्र दिवस पर आयोजित **Hkkjr io** के अवसर पर मध्यप्रदेश की उपलब्धि की विकास यात्रा प्रदर्शनी भी आयोजित किये जाने की तैयारी है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

जनयोद्धा टंट्या पूरे वनवासी समाज में टंट्या के नाम से जाना और पूजा जाता है। इस वीर जनयोद्धा ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए। टंट्या के नाम पर अंग्रेज थर्रा उठते थे। बिना हथियार लिये इस जनयोद्धा ने स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया है। इस जनयोद्धा का स्मरण करने का यह सुअवसर है। नाटक की प्रस्तुति प्रयोग संस्था के नामचीन नाट्य निर्देशक सतीश मेहता के निर्देशन में होगा। नाट्यप्रेमियों के लिए यह यादगार क्षण होगा जब वे इस नाटक को देखेंगे।

भारत पर्व

Hkkjr ioZ ij ';kiqj esa ukVd
^iksLVj* dk eapu gksxk

';kiqjA गणतंत्र दिवस के अवसर पर समूचे मध्यप्रदेश में **Hkkjr ioZ** मनाया जा रहा है। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। राज्यवार आयोजन की श्रृंखला में श्योपुर जिले में शंकर शेष लिखित नाटक **iksLVj** का मंचन किया जा रहा है। **Hkkjr ioZ** का आयोजन **Lojkt laLFkku lapkyuky;] laLd`fr foHkkx] Hkksiky** द्वारा **tulEidZ lapkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr ioZ** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr ioZ** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

भारत पर्व के अवसर पर होने वाले नाटक पोस्टर का निर्देशन सुपरिचित कवि एवं लेखक हरिओम राजोरिया ने किया है। नाट्य संस्था सृजन की प्रस्तुति पोस्टर में सदियों से शोषित हो रहे उस वर्ग की व्यथा को समझाने की कोशिश की है जो समाज के अंतिम छोर पर एक नई सुबह की आस पर बैठा हुआ है। आदमी का आदमी के द्वारा शोषण की यह कहानी पुरानी है लेकिन समाज में परिवर्तन भी दिखायी देता है और एक पोस्टर इस बदलाव का प्रतीक बनता है। डॉ. शंकर शेष लिखित अनेक नाटकों में यह नाटक अपनी कथावस्तु के लिए कई बार सराही गई है। श्योपुर के कलारसिकों को यह नाटक आनंदित करेगा।

इसी दिन दुलदुल घोड़ी की भी प्रस्तुति होगी। दयाराम मछाई की टीम इस लोकनृत्य की प्रस्तुति देंगे। सहरिया आदिवाासियों में दुलदुल घोड़ी नाचने की कला परम्परागत है। राजस्थान के इस परम्परागत लोकनृत्य को कच्छी घोड़ी नृत्य भी कहते हैं। राजस्थान की कई जातियों का यह पेशा भी है। श्योपुर जिले में सहरिया राजस्थानी संस्कृति से प्रभावित है। सहरिया बांस, लकड़ी, रंग–बिरंगे कागज और पन्नी से एक घोड़ी तैयार की जाती है। घोड़ी के साथ स्त्री के वेश में एक नर्तक और विदूषक होता है। ये लोग गीत गाते हैं और दर्शकों का मनोरंजन भी करते हैं।

<u>*भारत पर्व*</u>

vk[kjh exy dk epu ls fHk.M
e gkxk Hkkjr io dk vkxkt

fHkMA भारत के स्वाधीनता संग्राम में किसी भी वर्ग का योगदान कम नहीं था। दिल्ली से लेकर देश के कोने कोने तक स्वाधीनता संघर्ष की ज्वाला धधक रही थी। इसी धधकती ज्वाला का स्मरण किया जाएगा नाटक **vk[kjh exy** के प्रदर्शन से। प्रदेश भर में आयोजित **Hkkjr io** के अवसर पर होने वाले विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला में भिंड में नाटक की प्रस्तुति **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आाजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

स्वाधीनता संग्राम में मुगलकालीन बादशाहों का भी योगदान ऐतिहासिक रहा है। आख़री मुग़ल नाटक बहादुर शाह जफर पर केन्द्रित है। बहादुरशाह जफर के योगदान को इतिहास कभी भुला नहीं पाएगा। भारत पर्व के इस ऐतिहासिक क्षण में राजेश भदौरिया के निर्देशन में इस नाटक की प्रस्तुति की जाएगी। नाटक की कथावस्तु ऐतिहासिक है इस दृष्टि से मंच सज्जा और कलाकारों का श्रृंगार नयी पीढ़ी के लिए जिज्ञासा का होगा। इतिहास के पन्ने पलटने वाले इस नाटक को देखकर हम अपने स्वर्णिम इतिहास को एक बार फिर आंखों के सामने से गुजरता हुआ पाएंगे।

भारत पर्व

Hkkjr io ij xuk e ukVd
ßvkyexhjÞ dk epu gkxk

xukA गणतंत्र दिवस के अवसर पर समूचे मध्यप्रदेश में भारत पर्व मनाया जा रहा है। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। राज्यवार आयोजन की श्रृंखला में गुना जिले में भीष्म साहनी लिखित नाटक **vkyexhj** का मंचन किया जा रहा है। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd'fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

भारत पर्व के बहाने इतिहास को खंगालने की कोशिश और नयी पीढ़ी से इतिहास का परिचय कराने का अभिनव प्रयास के तहत गुना जिले में नाटक आलमगीर का मंचन किया जा रहा है। यह नाटक दूसरे ऐतिहासिक नायकों की तरह औरंगजेब पर केन्द्रित है। इस नाटको प्रसिद्ध लेखक भीष्म साहनी ने लिखा है। भीष्म साहनी फिल्मकार बलराज साहनी के भाई हैं। नाटक का निर्देशन नज़ीर कुरैशी ने किया है। नज़ीर मध्यप्रदेश और देश के चुनिंदा नाट्य निर्देशकों में हैं जो कथावस्तु को जीवंत बना देते हैं। दर्शकों के मन में नाटक के प्रति जिज्ञासा और समझ विकसित करने की कला नज़ीर में हैं। गुना के रंगमंच के शौकीनों के साथ ही उन दर्शकों को भी आनंद आएगा जो अपने इतिहास को जानना और समझना चाहते हैं।

nfr;k e Hkkjr io ij gkxh 'kkL=h; uR; ,o lxhr dk lekxe

nfr;kA गणतंत्र दिवस के अवसर पर समूचे मध्यप्रदेश में भारत पर्व मनाया जा रहा है। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd'fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEid lpkyuky;** एवं **ftyk i’kklu** के सहयोग से किया जा रहा है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। इस दिन दतिया के कलाप्रेमी दर्शकों को शास्त्रीय नृत्य और संगीत की दो बड़ी प्रस्तुति देखने को मिलेगी।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर दतिया में देश की प्रमुख संतूर वादक श्रुति अधिकारी संतूर वादन की प्रस्तुति देंगी। श्रुति को शास्त्रीय संगीत विरासत में मिला है। सुपरिचित नाम संगीता कठाले की बेटी श्रुति आकाशवाणी की ए ग्रेड की कलाकार हैं। वे देश के अनेक प्रतिष्ठापूर्ण आयोजनों में हिस्सेदारी कर चुकी हैं। इसी दिन एक दूसरी बड़ी हस्ती अल्पना शुक्ला वाजपेयी कथक नृत्य प्रस्तुत करेंगी। अल्पना भी कथक के क्षेत्र में प्रतिष्ठित नाम हैं। चक्रधर कलाकेन्द्र से कथक की शिक्षा प्राप्त और रायगढ़ घराने के गुरू पंडित कार्तिकराम की शिष्या अल्पना के देश भर में नृत्य कार्यक्रम होते रहते हैं।

भारत पर्व के अवसर पर दतिया के नागरिकों को सितार और कथक की दो महान विभूतियों से परिचय होगा। संगीत और नृत्य जीवन को वैसे ही रसमय बना देते हैं लेकिन जब सिद्धहस्त कलाकार मंच पर हो तो यह रस और भी बढ़ जाता है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर यह कार्यक्रम दर्शकों को मोहित करेगा।

भारत पर्व

nokl e Hkkjr io ij lrk"k dk xk;u ,o fi;dk dk rcyk oknu

nokl A 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर समूचे मध्यप्रदेश में भारत पर्व मनाया जा रहा है। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। इस दिन देवास में संगीत मर्मज्ञ संतोष कौशिक का **xk;u** होगा और प्रियंका रतौनिया तबला **oknu** की प्रस्तुति देंगी।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

गणतंत्र दिवस को सुरमयी बनाने के लिए मध्यप्रदेश के सिद्धहस्त संगीत निर्देशक एवं गायक संतोष कौशिक देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगे। संतोष कौशिक देश के कई हिस्सों में संगीत के प्रतिष्ठा कार्यक्रमों में हिस्सा लेते रहे हैं। इस बार वे देवास के कलाप्रेमीजनों के समक्ष अपनी प्रस्तुति देंगे। इसी दिन कलाप्रेमी प्रियंका के तबला वादन का रसास्वादन भी कर सकेंगे। प्रियंका को संगीत की शिक्षा विरासत में मिली है। देश की चुनिंदा महिला तबला वादकों में प्रियंका का नाम सम्मान से लिया जाता है। प्रियंका देश के दूसरे बड़े संगीत कार्यक्रमों में अपनी कई बार प्रस्तुति दे चुकी हैं। प्रियंका को मुंबई में पं. निखिल घोष अवार्ड तथा सुर सिंगार संसद मुंबई द्वारा ताल मणि सम्मान प्रदान किया गया है।

<u>*भारत पर्व*</u>

uhep e| Hkkjr io| ij
gkxh lxhre; iLrfr

uhepA गणतंत्र दिवस के अवसर पर समूचे मध्यप्रदेश के साथ नीमच में भी भारत पर्व उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में स्वर श्रृंगार ग्रुप का **n'kHkfDr xk;u** एवं सरवर खान साहब का **flrkj oknu** होगा। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd`fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk i’kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

लोकतंत्र के इस लोकउत्सव पर आम आदमी की भागीदारी सुनिश्चित करने की दृष्टि से विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। रतलाम की सांस्कृतिक संस्था स्वर श्रृंगार ग्रुप गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर देशभक्ति गीतों से इस दिन को सुरमयी बनायेगी। संस्था के अध्यक्ष आशीष दशोत्तर के निर्देशन में यह संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। इसी दिन मध्यप्रदेश के प्रमुख सारंगी वादक सरवर खान साहब सारंगी वादन की सुमधुर प्रस्तुति देंगे। सरवर खान साहब के पिता पद्मश्री लतीफ खां साहब सारंगी के बड़े फनकार रहे हैं और अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाते हुए अनवर साहब ने अपना मुकाम बनाया है। नीमच के कलारसिकों के लिए यह दिन सुरीला होगा।

भारत पर्व

mTtSu esa Hkkjr ioZ ij ukVd ds cgkus ekuoh; laca/kksa dh iM+rky

mTtSuA गणतंत्र दिवस के अवसर पर समूचे मध्यप्रदेश के साथ उज्जैन में भी भारत पर्व उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt laLFkku lapkyuky;] laLd`fr foHkkx] Hkksiky** द्वारा **tulEidZ lapkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr ioZ** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr ioZ** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

उज्जैन में भारत पर्व के अवसर पर नाटक वासांसि जीर्णानि का मंचन किया जाएगा। मूल मराठी नाटक का लेखन महेश अलदुंजाकर ने किया है जिसका हिन्दी में रूपांतरण रमेश मेहता का है। जीवन का मोह, मोक्ष की कामना और इसी तलाश में भटकते आदमी को केन्द्र में रखकर इस नाटक को बुना गया है। नाटक किसी और दुनिया की कथा से नहीं बल्कि हमारे बीच से उठायी गयी कथा पर केन्द्रित है। आम आदमी को सोचने और अपने को विश्लेषण करने की समझ पैदा करते इस नाटक का निर्देशन सुपरिचित नाट्‌य निर्देशक चन्द्रहास तिवारी ने किया है।

>kc|vk e Hkkjr io ij
xtxh g l h] ukVd ^Hky&Hky ;k* dk n[kdj

>kc|vkA गणतंत्र दिवस के अवसर भारत पर्व उत्साहपूर्वक मनाये जाने की तैयारी है। इस दिन को स्मरणीय बनाने के लिए अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस श्रृंखला में हास्य नाटक **Hky&Hky;k** की प्रस्तुति की जाएगी। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आाजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd`fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk i’kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

हंसी उदासी छीन लेती है और झाबुआ के दर्शकों को हंसाने के लिए नाट्य निर्देशक श्रीराम जोग हास्य नाटक 'भुल–भुलैया' प्रस्तुत करेंगे। विलियम शेक्सपीयर के लिखे नाटक का हिन्दी रूपांतरण प्रस्तुत किया जा रहा है। इस कहानी में दो जुड़वा भाई होते हैं और बिछड़ जाते हैं लेकिन संयोग से एक दिन वही बिछड़ा भाई अपने भाई के घर पहुंच जाता है। यहां एक भाई घर के भीतर होता है तो दूसरा बाहर, किसी के समझ में नहीं आता कि ये एक हैं या दो और इसी एक और दो की भुल–भुलैया में दर्शक भी पड़ जाते हैं।

<u>*भारत पर्व*</u>

[kjxksu esa Hkkjr ioZ ij
gksxh ykssddyk dh izLrqfr

[kjxksuA 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन भारत पर्व पर आाजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित विभिन्न कलाओं का यह समागम कलारसिकों को भाव–विभोर कर देगा। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए कार्यक्रमों की श्रृंखला में खरगोन में **ykssddyk** की प्रस्तुति होगी। देशभक्ति आधारित लोकगीत और बुंदेलखंड का परम्परागत सैरा नृत्य की प्रस्तुति होगी। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt laLFkku lapkyuky;] laLd`fr foHkkx] Hkksiky** द्वारा **tulEidZ lapkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr ioZ** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr ioZ** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

ओमप्रकाश चौबे का नृत्य दल सैरा नृत्य की प्रस्तुति देंगे। सैरा नृत्य बुंदेलखंड में भुजरियों के अवसर पर गाये जाने वाले सैरा नृत्य के साथ नृत्य करने के कारण सैरा नृत्य कहलाता है। इस नृत्य में एक व्यक्ति सैरा को उठाता है और समूह से दुहरा कर उसके साथ नृत्य की विभिन्न मुद्राएं प्रस्तुत करता है। इस नृत्य में हर व्यक्ति के हाथ में डंडा होता है और इन डंडों पर एक दूसरे के डंडे पर चोट करते हैं। इस क्रिया से निकलने वाली ध्वनि संगीत का साथ देती चलती है। नृत्य करते समय सब लोग विभिन्न प्रकार की मुद्रा में स्वयं को प्रस्तुत करते हैं। नृत्य दल में अधिकतम बीस लोग होते हैं। इस नृत्य के लिए न कोई विशेष किस्म की सजावट होती है और न ही वस्त्र विशेष प्रकार के बनवाये जाते हैं। इसी दिन रामसिंह राय का दल देशभक्ति लोकगीतों की प्रस्तुति देगा। लोकगीतों की मिठास पूरे माहौल को रसीला बना देता है और एक बार लोग गणतंत्र पर्व पर लोकगीत में झूमने के लिए बेताब होंगे।

cMokuh e 'kkL=h; lxhr dh /kqu ij euxk Hkkjr io

cMokuhA राज्य में पहली बार गणतंत्र दिवस के अवसर पर मनाये जाने वाले भारत पर्व पर बड़वानी में **'kkL=h; xk;u** एवं **oknu** की प्रस्तुति होगी। राज्य भर में हो रहे आयोजनों की श्रृंखला में बड़वानी में यह आयोजन किया जा रहा है। लोकतंत्र का लोक उत्सव भारत पर्व के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd`fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

शास्त्रीय गायन की दुनिया में परिचित नाम जुल्फिकार अली इस दिन बड़वानी में गजल की प्रस्तुति देंगे। गजल और कौमी तरानों की गूंज गणतंत्र पर्व की गरिमा को और बढ़ाएगा। जुल्फिकार अली राज्य के चुनिंदा गजल गायकों में से एक हैं। संगीत के शौकिनों की दुनिया में जुल्फिकार अली का बेताबी से इंतजार किया जाता है। इसी दिन आमिर खान साहब सरोद की प्रस्तुति देंगे। सरोद वादन के लिए आमिर खान साहब एक जाना–पहचाना नाम है। आमिर खान साहब के घराने में संगीत की रवायत रही है और वे इसी रवायत को आगे बढ़ा रहे हैं।

भारत पर्व

Hkkjr io ij ^gjnky* dh dgkuh
l|ux [kMok d dykjfld

[kMokA भारत के स्वाधीनता संग्राम का अमर नाम और अंग्रेजों के दुश्मन लाला हरदौल की कहानी बुंदेलखंड के बच्चों बच्चों के जबान पर है। खंडवा में **ykyk gjnky** की कहानी को नाटक के रूप में हम थियेटर ग्रुप, भोपाल द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन भारत पर्व पर आाजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित विभिन्न कलाओं का यह समागम कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEid lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

नाट्य संस्था हम थियेटर ग्रुप लम्बे समय से नाटकों का प्रदर्शन कर रही है। नाटक लाला हरदौल की कुछ प्रस्तुतियां पहले भी हो चुकी हैं। कोमल कल्याण जैन द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन बालेन्द्रसिंह ने किया है। लाला हरदौल बुंदेलखंड के जननायक के रूप में पहचाने जाते हैं। अपने जीवनकाल में जात–पांत को धता बताकर सबको एकता के सूत्र में बांधने की कोशिश में जुटे रहे। अपनों की ही दुश्मनी के शिकार हरदौल को विषपान करना पड़ा। मृत्यु के बाद वे अमर हो गए और आज लाला हरदौल की कहानी माताएं अपने बच्चों को सुनाती हैं। इस नाटक के पात्रों ने लाला हरदौल को जीवंत बना दिया है। दर्शकों को यह नाटक भीतर तक छू जाता है।

cjgkuij e Hkkjr io ij ukVd
^vlgk;* dk gkxk epu

cjgkuijA 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन भारत पर्व पर आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित विभिन्न कलाओं का यह समागम कलारसिकों को भाव–विभोर कर देगा। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुरहानपुर में नाटक **vlgk;** का मंचन सुश्री धनश्री के निर्देशन में किया जाएगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

मूल मराठी नाटक हेल्पलेस से हिन्दी में रूपांतरित नाटक असहाय स्त्री की पीड़ा को समाज के समाने प्रस्तुत करता है और अपने पीछे सवाल छोड़ जाता है। स्त्री एक ओर तो प्रगति के पथ पर दिखती है लेकिन मुसीबत आने पर एक स्त्री दूसरी स्त्री की मदद करने से पीछे हट जाती है। स्त्री के भीतर बैठा डर उसे पहले अपने को बचाने के लिए प्रेरित करता है। सुश्री अनुश्री ने इस नाटक में बहुत मेहनत कर स्त्री के भीतर की दुनिया को सामने लाने का प्रयत्न किया है और कई सवाल खड़े किए हैं कि ऐसा क्यों होता है? नाटक देखने के बाद शायद आप भी अपने आपसे पूछे आखिर ऐसा क्यों?

<u>*भारत पर्व*</u>

lhgkj e lje;h gkxk
Hkkjr io dk vk;ktu

lhgkjA 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन भारत पर्व पर आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित विभिन्न कलाओं का यह समागम कलारसिकों को भाव–विभोर कर देगा। सीहोर में सुरमयी होगा भारत पर्व का आयोजन। इस अवसर पर देश के नामचीन संगीत मर्मज्ञ ओमप्रकाश चौरसिया का **xk;u** होगा तथा इसी दिन विद्याधर आमटे की **ckljh** के स्वर लहरियां बिखरेंगी। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd`fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

राज्यभर में मनाये जा रहे भारत पर्व के अवसर पर सीहोर में भी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस को गरिमामय बनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में देश के मशहूर संतूर वादक ओमप्रकाश चौरसिया गायन प्रस्तुत करेंगे। ओमप्रकाश चौरसिया संगीत क्षेत्र के नामचीन हस्तियों में से एक हैं। उनके साथ ही बांसुरी वादन के लिए विद्याधर आमटे भी आ रहे हैं। विद्याधर आमटे जनसम्पर्क विभाग मे कार्यरत हैं किन्तु बांसुरी बजाने में उनका कोई मुकाबला नहीं। अपने फन के माहिर आमटे को देश और प्रदेश के अनेक प्रतिष्ठित संगीत कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाता रहा है।

भारत पर्व

jk;lu e Hkkjr io ij ukVd ^ukd* dk epu vkj ykdxhr dh iLrfr gkxh

jk;luA गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य में पहली बार मनाये जाने वाले भारत पर्व पर रायसेन में नाटक **^ukd*** का मंचन एवं संतोष तंतवाय का दल **ykdxhr** प्रस्तुत करेंगे। राज्य भर में हो रहे आयोजनों की श्रृंखला में रायसेन में यह आयोजन स्वराज संस्थान संचालनालय एवं जनसम्पर्क विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। लोकतंत्र का लोक उत्सव भारत पर्व के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आाजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

रायसेन में मंचित होने वाले नाटक 'नाक' निकोलोई गागोल की कथा दी नोज का हिन्दी रूपांतरण है। कन्हैलाल कैथवास ने इसका रूपांतरण किया और निर्देशन भी उन्हीं का ही है। नाक का सलामत रहना सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। नाक कट गई जैसे वाक्य का मतलब आपकी प्रतिष्ठा चली गई जैसी बात है। इस नाटक की कथावस्तु में भी नाक केन्द्रिय भूमिका में है। एक व्यक्ति की सपने में नाक कट जाती है और वह इसका इलाज कराने के लिए जगह जगह घूमता है लेकिन इलाज नहीं मिल पाता है। सारे घटनाक्रम को इस तरह पिरोया गया है कि दर्शक अचंभे में पड़ जाता है और कई बार अपनी नाक को भी छूकर देखता है। दर्शकों को यह नाटक बांध कर रखेगा। इसी दिन लोकगीतों की मिठास में डूबाने के लिए संतोष तंतवाय का दल लोकगीतों की प्रस्तुति देंगे।

gks'kaxkckn esa Hkkjr ioZ
ij dchj ok.kh xwatsxh

gks'kaxkcknA 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन भारत पर्व पर आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित विभिन्न कलाओं का यह समागम कलारसिकों को भाव–विभोर कर इस अवसर को यादगार बनाने के लिए कार्यक्रमों की श्रृंखला में होशंगाबाद में प्रहलाद टिपणियां **dchj ds ink dk xk;u** करेंगे। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt laLFkku lapkyuky;] laLd`fr foHkkx] Hkksiky** द्वारा **tulEidZ lapkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr ioZ** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr ioZ** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

कबीर का भारतीय संस्कृति में अद्वितीय स्थान है। कबीर वाणी से भारतीय समाज हमेशा से आनंदित होता रहा है। ज्ञान के सागर में गोते लगाने के लिए कबीर के बताये रास्ते पर चलना होता है। शुजालपुर के प्रहलाद टिपाणियां के गले से कबीर रस की धारा बहती है। कबीर वाणी को जब प्रहलाद गाकर प्रस्तुत करते हैं तो मन वहीं रम जाता है। कभी भोपाल तो कभी दिल्ली और जाने कहां कहां प्रहलाद कबीर रस से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर आएं हैं। मां नर्मदा की नगरी होशंगाबाद में गणतंत्र पर्व के इस पावन अवसर पर प्रहलाद कबीर की वाणी से श्रोताओं को ज्ञान के सागर में डुबकी लगवाएंगे।

भारत पर्व

gjnk esa Hkkjr io/ ij ^flagklu cRrhlh*
gksxk epau vkSj ^dkaxM+k* ij >wesaxs ykSx

gjnkA राजा विक्रमादित्य की न्यायप्रियता से भला कौन अपरिचित होगा और उनकी सिंहासन बत्तीसी की कथा तो बच्चे तक जानते हैं। हरदा के रंगप्रेमी गणतंत्र दिवस के अवसर पर नाटक **flagklu cRrhlh** को देख सकेंगे। इसी दिन **ykduR; dkaxMk** की भी प्रस्तुति की जाएगी। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन भारत पर्व पर आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित विभिन्न कलाओं का यह समागम कलारसिकों को भाव—विभोर कर देगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt laLFkku lapkyuky;] laLd`fr foHkkx] Hkksiky** द्वारा **tulEidZ lapkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io/** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io/** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

उज्जयिनी नगरी के महाप्रतापी राजा विक्रमादित्य और उनकी सिंहासन बत्तीसी की कथा सदियो से लोग सुनते चले आ रहे हैं। रंगश्री बैलेट्रुप ने इस ऐतिहासिक कथा को नाटक के रूप में पिरोकर विशेष प्रस्तुति के लिए तैयार किया है। टीले पर बैठकर चरवाहे का फैसला करना जैसे कई प्रसंग देखने को मिलेगा। रंगश्री बैलेट्रुप को कोई परिचय की जरूरत नहीं। स्वर्गीय प्रभात गांगुली द्वारा स्थापित यह संस्था लगातार अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्य कर रही है और पूरे देश में इस संस्था का नाम और प्रतिष्ठा है। निश्चित रूप से दर्शकों को एक नया अनुभव होगा।

बुंदेलखंड का यह परम्परागत नृत्य धोबी समाज के लोग करते हैं। इस नृत्य को कनड़याई भी कहा जाता है। मूल रूप से यह पारिवारिक नृत्य है। जन्म, विवाह आदि मंगल अवसरों पर की इस नृत्य का आयोजन किया जाता है। गुरु वंदना से आरंभ होने वाले इस नृत्य के आरंभ में पहले सरस्वती एवं गजानन भगवान की कथा गायी जाती है। नृत्य में गीत भक्तिपूर्ण होते हैं।

<u>*भारत पर्व*</u>

lkxj e| Hkkjr io| ij ukVd ^HkxoTt|de*
dk e|pu fd;k tk,xk

lkxjA एक प्राचीन संस्कृत प्रहसन को नाटक **^HkxoTt|de*** के रूप में स्वराज संस्थान संचालनालय एवं जनसम्पर्क विभाग के सहयोग से प्रस्तुत किया जाएगा। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन भारत पर्व पर आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित विभिन्न कलाओं का यह समागम कलारसिकों को भाव–विभोर कर देगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt l|LFkku l|pkyuky;] l|Ldfr foHkkx] Hkk|iky** द्वारा **tul|id| l|pkyuky;** एवं **ftyk i|'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io|** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io|** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

हमारे जीवन में कई पौराणिक गाथाएं ऐसी हैं जिन्हें समय समय पर जरूरत के अनुरूप फेरबदल कर प्रस्तुत किया जाता है तो वह सामयिक बन जाता है। देश के एक बड़े नामचीन नाट्य निर्देशक अलखनंदन ने बोधायन की रचना 'भगवज्जुकम' को कुछ इसी संदर्भ में प्रस्तुत किया है। कई सफल नाट्य प्रदर्शनों के बाद अलखनंदन का यह नाटक अपनी छाप छोड़ जाएगा। कथा में यमदूत की भूल और सन्यासी के लोभ को इस तरह पिरोया गया है जिससे भूल भी हास्यास्पद हो जाता है। वसंत सेना की मृत्यु और उसका जी उठना, सन्यासी की मृत्यु और दुबारा जी कर वसंतसेना की तरह व्यवहार करना जैसे प्रसंगों को मंच पर जीवंत बनाने की कला अलखनंदन में है।

भारत पर्व

nekg e| gkxk ukVd ^xko dh dFkk* dk epu vkj c/kkbl uR; dk izn'ku

nekgA 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन भारत पर्व पर आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित विभिन्न कलाओं का यह समागम कलारसिकों को भाव–विभोर कर देगा। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए कार्यक्रमों की श्रृंखला में दमोह में नाटक **xko dh dFkk** और **c/kkbl uR;** का प्रदर्शन किया जाएगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd`fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

गांवों में जमींदार का शोषक रवैया चला आ रहा है। दूसरे के धन और दूसरे की स्त्री पर जमींदार की नजर हमेशा से रहती आयी है और अपनी इच्छा की पूर्ति के लिए वह ताकत का भी गलत इस्तेमाल करता रहा है। नाटक एक गांव की कथा में कुछ इसी प्रकार की कहानी को बुना गया है। गरीब दीनू की नईनवेली दुल्हन पर जमींदार की नजर लगी हुई है और वह रामलीला के बहाने रासलीला करने से नहीं चूकता है। फैज मोहम्मद निर्देशित इस नाटक में गांव के शोषण की कहानी को आधार बनाया गया है। नाटक को देखने के बाद मन में सवाल उठता हैं कि क्या आज भी गांवों की दशा मे सुधार संभव है?

दमोह में सुधीर तिवारी का दल बधाई नृत्य की प्रस्तुति देगा। बधाई नृत्य का आयोजन बुंदेलखंड में पारम्परिक रूप से किया जाता है। जन्म, विवाह, तीज–त्योहार एवं अन्य मांगलिक कार्यों के अवसर पर बधाई नृत्य का आयोजन होता है। इसमें स्त्री एवं पुरूष दोनों की बराबर की भागीदारी होती है। मंच पर जब नृत्य का प्रदर्शन होता है तो गीत भी गाए जाते हैं। हर्ष का नृत्य होने के कारण रंग–रूप सजा–संवरा होता है और वेशभूषा भी आकर्षक होती है।

भारत पर्व

iUuk e Hkkjr io ij ukVd ^bukeh Bkdj* dk epu vkj Hkxkfj;k uR; dh iLrfr gkxh

iUukA गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य में पहली बार मनाये जाने वाले भारत पर्व पर पन्ना में नाटक **bukeh Bkdj** का मंचन एवं **Hkxkfj;k uR;** का प्रदर्शन किया जाएगा। राज्य भर में हो रहे आयोजनों की श्रृंखला में पन्ना में यह आयोजन स्वराज संस्थान संचालनालय एवं जनसम्पर्क विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। लोकतंत्र का लोक उत्सव भारत पर्व के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आाजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

मुक्ति संग्राम 1857 के विद्रोह की गूंज आज भी सुनायी देती है। मध्यप्रदेश में ऐसे अनेक शूरवीर हुए जिन्होंने अपनी सत्ता त्याग कर अंग्रेजों के खिलाफ खड़े हो गए। इन्हीं में एक दमोह के इनामी ठाकुर भी हैं। अंग्रेजों की परेशानी का सबब बने ठाकुर को आखिरकार मौत को गले लगाना पड़ा। स्वाधीनता संघर्ष के स्वर्णिम प्रसंगों से यह नाटक आम आदमी का परिचय कराता है। नाटक देखकर नौजवानों को प्रेरणा मिलती है कि देश के लिए मर मिटने वाले कभी मरते नहीं हैं। इसी दिन भगोरिया नृत्य का भी आयोजन किया गया है। झाबुआ के भीलों का महापर्व भगोरिया अब अनचिन्हा नहीं रहा। होली के अवसर पर रंग में भीगने और भिगोने वाला भगोरिया नृत्य प्रेम और मादकता की मिठास लिये हुए होता है।

भारत पर्व

Nrjiqj esa Hkkjr io
ij rkilh dk xk;u

NrjiqjA 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन भारत पर्व पर आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित विभिन्न कलाओं का यह समागम कलारसिकों को भाव–विभोर कर देगा। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए कार्यक्रमों की श्रृंखला में तापसी नागराज का **xk;u** एवं **v[kkM+k uR;** का प्रदर्शन किया जाएगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt laLFkku lapkyuky;] laLd`fr foHkkx] Hkksiky** द्वारा **tulEidZ lapkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

सुगम संगीत की नामचीन गायिका तापसी नागराज किसी परिचय की मोहताज नहीं। देश के प्रसिद्व हस्तियों में एक तापसी नागराज गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित भारत पर्व के मंच से सुगम संगीत से दर्शकों के कान में मिश्री घोलेंगी। उनके शास्त्रीय गायन में देशभक्ति के ओज भी श्रोता सुन पाएंगे। इसी दिन अखाड़ा लोकनृत्य का आयोजन किया जा रहा है। भगवानदास रायकवार की टीम परम्परागत लोकनृत्य अखाड़ा की प्रस्तुति देंगी। दूसरे पारम्परिक लोकनृत्य की तरह इसमें भी लोगों को मोह लेने की ताकत है।

भारत पर्व

Vhdex< e| Hkkjr io| ij c/kkb| uR; dk in'kZu ,o| xk;u

Vhdex<A 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन भारत पर्व पर आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित विभिन्न कलाओं का यह समागम कलारसिकों को भाव–विभोर कर देगा। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए कार्यक्रमों की श्रृंखला में टीकमगढ़ में **c/kkb| uR;** का प्रदर्शन होगा एवं जमीर ख़ान अपना **xk;u** प्रस्तुत करेंगे।

भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd`fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io|** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io|** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

टीकमगढ़ में जनचौपाल कल्याण समिति का दल बधाई नृत्य की प्रस्तुति देगा। बधाई नृत्य का आयोजन बुंदेलखंड में पारम्परिक रूप से किया जाता है। जन्म, विवाह, तीज–त्योहार एवं अन्य मांगलिक कार्यों के अवसर पर बधाई नृत्य का आयोजन होता है। इसमें स्त्री एवं पुरूष दोनों की बराबर की भागीदारी होती है। मंच पर जब नृत्य का प्रदर्शन होता है तो गीत भी गाए जाते हैं। हर्ष का नृत्य होने के कारण रंग–रूप सजा–संवरा होता है और वेशभूषा भी आकर्षक होती है। इस अवसर पर नामचीन गायक जमीर खान साहब श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे।

tcyij e Hkkjr io ij ukVd
^l/;k Nk;k* dk gkxk epu

tcyijA गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य में पहली बार मनाये जाने वाले भारत पर्व पर जबलपुर में नाटक **l/;k Nk;k** का मंचन किया जाएगा। राज्य भर में हो रहे आयोजनों की श्रृंखला में जबलपुर में यह आयोजन स्वराज संस्थान संचालनालय एवं जनसम्पर्क विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। लोकतंत्र का लोक उत्सव भारत पर्व के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आाजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd'fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमने विकास चौतरफा विकास किया। शिक्षा को लेकर समाज में जागरूकता आयी और माता–पिता ने अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ाया। बच्चे पढ़कर विदेश चले गए और वहीं के होकर रह गए। जिन्हें वे अपने बुढ़ापे की छाया समझ रहे थे, उन्हें वे धूप मं ही छोड़ गए। माता–पिता के भीतरी द्वंद को एक सवाल के रूप में रखता नाटक संध्याछाया दर्शकों को भीतर तक उद्वेलित करता है। जयंत दलवी के लिखे नाटक को राकेश सेठी ने निर्देशित किया है। राकेश सेठी अनुभवी नाट्य निर्देशक हैं और इस नाटक में भी उनका अनुभव दिखता है।

dVuh e Hkkjr io ij ukVd ^ikpkyh dh 'kiFk* dk epu vkj cjnh uR; dh gkxh iLrfr

dVuhA गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य में पहली बार मनाये जाने वाले भारत पर्व पर कटनी में नाटक **ikpkyh dh 'kiFk** का मंचन एवं **cjnh uR;** का प्रदर्शन किया जाएगा। राज्य भर में हो रहे आयोजनों की श्रृंखला में कटनी में यह आयोजन स्वराज संस्थान संचालनालय एवं जनसम्पर्क विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। लोकतंत्र का लोक उत्सव भारत पर्व के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd`fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

महाभारत की कथा के कई ऐसे प्रसंग हैं जो मनुष्य अपने आसपास देखता है किन्तु कुछ ऐसे प्रसंग हैं जो शायद ही उसने कभी देखा होगा। महाभारत की पांचाली से भला कौन अपरिचित होगा और उसके शपथ से भी नहीं। राजकुमार रायकवार के निर्देशन में प्रस्तुत नाटक अपने समय को बांध लेता है। दर्शक एक बार फिर उस युग में पहुंच जाते हैं जिन प्रसंगों को उन्होंने केवन पढ़ा है। इसी दिन बुंदेलखंड के पारम्परिक लोकनृत्य बरेदी की प्रदर्शन किया जाएगा। यह नृत्य परम्परा कृषक एवं चरवाहा वर्ग के लोगों में है। बरेदी का आयोजन दीपावली से पन्द्रह दिन यानि पूर्णिमा तक चलता है। दीपावली के अवसर पर की जाने वाली गोवर्धन पूजा से इसका घनिष्ठ संबंध है।

<u>*भारत पर्व*</u>

Hkkjr io ij ^;g Hkh gk ldrk g*
enlkj e ukVd dk epu gkxk

enlkjA गणतंत्र दिवस के अवसर पर समूचे मध्यप्रदेश के साथ मंदसौर में भी भारत पर्व उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में सतीश दवे निर्देशित नाटक **;g Hkh gk ldrk g** का मंचन किया जाएगा। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd`fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEid lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

स्वाधीनता संग्राम में किस किस तरह के संघर्षों और तकलीफों का सामना स्वतंत्रता सेनानियों को झेलना पड़ा, इस बात को नयी पीढ़ी नहीं जानना चाहती है। नयी पीढ़ी को तो इस बात से वास्ता है कि किस तरह इन्हें मिल रही सुविधाओं को प्राप्त किया जाए। नयी पीढ़ी यह भूल जाती है कि जो लोग अंग्रेजों को नाको चने चबवाने की ताकत रखते थे, उनके लिए नयी पीढ़ी की साजिश बच्चों का खेल हैं। कुछ इन्हीं संदर्भों को लेकर विजयशंकर मेहता की कहानी का नाट्य रूपातंरण सतीश दवे ने किया है। इस नाटक में स्वतंत्रता सेनानी के बच्चों के छल और नकली मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के बीच की गुथी गाथा को सशक्त ढ़ंग से प्रस्तुत किया गया है। दर्शकों के सामने उस स्थिति को सामने लाने की कोशिश है कि स्वतंत्रता सेनानी आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक हैं और उन्हें शासन से मिल रही सुविधाओं का उपभोग उन्हें ही करने दिया जाए। इस प्रकार वर्तमान स्थिति में जो लालच बढ़ता जा रहा है और रिश्तों को होम किया जा रहा है, उसकी कहानी है। नाटक दर्शकों को प्रभावित करेगा।

भारत पर्व

ujflgi|j e Hkkjr io ij 'kkL=h; uR;& lxhr dh l|je;h iLr|fr ck/kxk lek

ujflgi|jA गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित भारत पर्व पर **'kkL=h; lxhr** एवं **uR;** की सुरमयी प्रस्तुति की जाएगी। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आाजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

नरसिंहपुर में भारत पर्व के अवसर पर राज्य की नामचीन एवं देशभर में अपनी नृत्यकला से लोगों को मोहित करने वाली मोहिनी मोघे कथक नृत्य की प्रस्तुति देंगी। मोहिनी कथक नृत्य कला केन्द्र भोपाल की उन प्रतिभाशाली कलाकारों में से एक है जिन्होंने देशभर में अपना अलग स्थान बनाया है। कथक और मोहिनी एक–दूसरे के पर्याय हैं। ऐसी प्रतिभावान नृत्यांगना मोहिनी मोघे के नृत्य से नरसिंहपुर के कलाप्रेमी भाव–विभोर हुए बिना नहीं रह पाएंगे। इसी दिन अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वर्षा अग्रवाल संतूर वादन प्रस्तुत करेंगी। मूलतः झालावाड़ राजस्थान से ताल्लुक रखने वाली वर्षा बाल्य अवस्था से ही संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। वर्षा वर्तमान में पंऋ भजन सोपारीजी की शिष्या हैं। वर्षा का संतूर वादन सुनना दर्शकों को एक नये अनुभव की अनुभूति देता है।

<u>*भारत पर्व*</u>

flouh e: Hkkjr io ij 'kkL=h; lxhr
,o ykduR; dk lekxe gkxk

flouhA गणतंत्र दिवस के अवसर भारत पर्व उत्साहपूर्वक मनाये जाने की तैयारी है। इस दिन को स्मरणीय बनाने के लिए अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस श्रृंखला में सिवनी में **'kkL=h; lxhr** एवं **ykduR;** का प्रदर्शन किया जाएगा। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आाजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk i’kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

भारत पर्व पर सिवनी में शास्त्रीय संगीत और लोकनृत्य का अनूठा संगम होगा। अखिलेश सप्रे गणतंत्र पर्व को यादगार बनाने के लिए सितार की तान छेड़ेंगे तो राजेश यादव का दल बरेठी लोकनृत्य की प्रस्तुति देगा। अखिलेश सप्रे एक सिद्धहस्त सितार वादक के साथ ही संगीत के प्राध्यापक भी हैं और नियमित रूप से देशभर में संगीत के आयोजनों में आमंत्रित किए जाते रहे हैं। अखिलेश सप्रे का सितार वादन सुनना अपने आपमें अनूठा अनुभव है। इसी दिन राजेश यादव का दल बरेठी लोकनृत्य की प्रस्तुति देंगे। बुंदेलखंड के पारम्परिक लोकनृत्य बरेदी का प्रदर्शन होगा। यह नृत्य परम्परा कृषक एवं चरवाहा वर्ग के लोगों में है। बरेदी का आयोजन दीपावली से पन्द्रह दिन यानि पूर्णिमा तक चलता है। दीपावली के अवसर पर की जाने वाली गोवर्धन पूजा से इसका घनिष्ठ संबंध है।

भारत पर्व

Hkkjr io ij fMMkjh e gkxk ukVd ^tkn d lV* dk gkxk epu

fMMkjhA गणतंत्र दिवस के अवसर पर समूचे मध्यप्रदेश के साथ डिंडौरी में भी भारत पर्व उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में सादात भारती निर्देशित नाटक **tkn dk lV** का मंचन किया जाएगा। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLdfr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

नाटक 'जादू का सूट' अपने नाम से ही अपनी कथा का संदेश देता है। बदलते समय के साथ आदमी के पाने की लिप्सा और बढ़ जाती है और वह जीवन में सब कुछ बहुत कम मेहनत में पा लेना चाहता है। कुछ इसी कथा को प्रख्याात नाट्य निर्देशक अलखनंदन ने लिखा है जिसका निर्देशन युवा नाट्य निर्देशक सादात भारती कर रहे हैं। सादात भारती पहले भी कई नाटकों का सफल निर्देशन कर चुके हैं और उनका नाम लोगों में परिचित है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम के साथ यह नाटक दर्शकों का मनोरंजन तो करेगी ही, साथ ही यह भी संदेश देती जाएगी कि शार्टकट से सफलता स्थायी नहीं होती है।

भारत पर्व

Hkkjr iol ij ^vktkn Hkkjr* ukVd dk ckyk?kkV e epu

ckyk?kkVA गणतंत्र दिवस के अवसर पर समूचे मध्यप्रदेश के साथ बालाघाट में भी भारत पर्व उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में संजय खन्ना निर्देशित नाटक **vktkn Hkkjr** का मंचन किया जाएगा। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd'fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidl lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr iol** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr iol** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

बालाघाट में नाटक आजाद भारत के बहाने बताया जाएगा कि आजादी का अर्थ क्या है और लोग किन अर्थों में आजादी को ले रहे हैं। इतिहास को नहीं जानने और इस आजादी को पाने के लिए संघर्षों की गाथा की कहानी है। इसे नए संदर्भों में इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है कि नए दौर में उस समय के संघर्ष और त्याग को भुला कर जिया जा रहा है। राज्य के प्रमुख नाट्य निर्देशक संजय खन्ना ने इस नाटक को एक नयी दृष्टि के साथ प्रस्तुत करने की कोशिश की है। आज जब हम अपनी आजादी के साठ साल मना चुके हैं तब इसका अर्थ व्यापक रूप में समझने की जरूरत है। कहना न होगा कि यह नाटक युवा पीढ़ी के लिए संदेश देकर जाएगा।

भारत पर्व

jhok esa Hkkjr ioZ ij ukVd ^cnyrs gkykr* vkSj fnokjh yksdu`R; dh eksgd izLrqfr

jhokA गणतंत्र दिवस के अवसर भारत पर्व उत्साहपूर्वक मनाये जाने की तैयारी है। इस दिन को स्मरणीय बनाने के लिए अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस श्रृंखला में नाटक एवं लोकनृत्य की मोहक प्रस्तुति की जाएगी। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आाजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt laLFkku lapkyuky;] laLd`fr foHkkx] Hkksiky** द्वारा **tulEidZ lapkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr ioZ** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr ioZ** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

समय बदल रहा है और लोगों की सोच, जीने के तौर–तरीको में बदलाव आ रहा है लेकिन कुछ बदलाव सार्थक होते हैं वहीं कुछ दिशाहीन होते हैं। थोड़े समय के लिए यह बदलाव सुखद लगता है लेकिन सच यह नहीं होता है। परिवर्तन की प्रक्रिया चलता रहता है और आखिरकार मनुष्य उसी को मानता है जो सच है। इसे एक अर्थ में ह्रदय परिवर्तन कहा जा सकता है। जीवन में घटने वाली इन्हीं घटनाओं को केन्द्र में रखकर नाटक बदलते हालात का निर्देशन सुपरिचित नाट्‌य निर्देशक इरफान सौरभ ने किया है। यह नाटक न तो इतिहास में ले जाता है और न ही भविष्य दिखाता है बल्कि आज और अभी हमारे बीच जो कुछ घट रहा है, उसका प्रतिबिम्ब है। इसी दिन राजेश यादव का दल दिवारी लोकनृत्य की प्रस्तुति देंगे। बुंदेलखंड के पारम्परिक लोकनृत्य दिवारी का प्रदर्शन होगा। यह नृत्य परम्परा कृषक एवं चरवाहा वर्ग के लोगों में है। दिवारी का आयोजन दीपावली से पन्द्रह दिन यानि पूर्णिमा तक चलता है। दीपावली के अवसर पर की जाने वाली गोवर्धन पूजा से इसका घनिष्ठ संबंध है। प्रायः दो पंक्तियों की लोक कविता जिसे बुंदेली में दिवारी कहा जाता है। दिवारी का आयोजन दीपावली से पन्द्रह दिन यानि पूर्णिमा तक चलता है। दीपावली के अवसर पर की जाने वाली गोवर्धन पूजा से इसका घनिष्ठ संबंध है।

भारत पर्व

lh/kh esa Hkkjr ioZ ij ukVd
^bUgsa dgha ns[kk gS* dk gksxk eapu

lh/khA गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य में पहली बार मनाये जाने वाले भारत पर्व पर सीधी में नाटक **bUgsa dgha ns[kk gS** का मंचन किया जाएगा। राज्य भर में हो रहे आयोजनों की श्रृंखला में कटनी में यह आयोजन स्वराज संस्थान संचालनालय एवं जनसम्पर्क विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। लोकतंत्र का लोक उत्सव भारत पर्व के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt laLFkku lapkyuky;] laLd`fr foHkkx] Hkksiky** द्वारा **tulEidZ lapkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr ioZ** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr ioZ** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

भारत पर्व के अवसर पर नाटक 'इन्हें कहीं देखा है' का मंचन किया जाएगा। इस नाटक में कला को केन्द्र में रखा गया है। बदलते समय में कला एक वस्तु बना दी गई है और जिस कला ने स्वयं को वस्तु के रूप में मान लिया बाजार में उसकी कीमत बढ़ गई लेकिन जिसने अपने को वस्तु नहीं माना, वह कला पिछड़ती गई। एक कड़ुवे सच को उजागर करता यह नाटक अपने समय के सच से दर्शकों को बाबस्ता करता है। दर्शकों के लिए यह नाटक देखना सुखकारी होगा तो उन्हें यह सोचने के लिए भी मजबूर होना पड़ेगा कि आखिर कला कहां जा रही है। एक अन्र्तद्वंद संवेदनशील दर्शकों में पैदा होगा जो मुद्दत तक अपना जवाब ढूंढता रहेगा।

भारत पर्व

lruk e Hkkjr io ij fot;k iLrr djxh
uR; ukfVdk jke dh ß'kfDr itkÞ

lrukA गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य में पहली बार मनाये जाने वाले भारत पर्व पर सतना में नाटक **jke dh 'kfDr itk** नृत्य नाटिका का प्रदर्शन किया जाएगा। राज्य भर में हो रहे आयोजनों की श्रृंखला में सतना में यह आयोजन स्वराज संस्थान संचालनालय एवं जनसम्पर्क विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। लोकतंत्र का लोक उत्सव भारत पर्व के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd`fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk i'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

नृत्य नाटिका **jke dh 'kfDr itk** विजया शर्मा की एक अनोखी प्रस्तुति है। अपनी नृत्य नाटिका के माध्यम से विजया एक नयी प्रस्तुति देंगी। उनका यह एक अलग किस्म का प्रयोग है जो नृत्य के माध्यम से दर्शकों को रोमांचित और मुग्ध करेंगी। विजया शर्मा कथक की एक प्रमुख नृत्यांगना हैं और देशभर में उनके लगातार प्रदर्शन होते रहे हैं। भोपाल में संगीत की अध्यापिका विजया चक्रधर नृत्य कला केन्द्र से गुरु पंडित कार्तिकराम से नृत्य की बारीकियां सीखी। दर्शकों को यह नृत्य नाटिका बहुत पसंद आएगी।

भारत पर्व

'kgMksy esa Hkkjr ioZ ij ykssddyk ls c¡/ksxk lek¡

'kgMksyA गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित भारत पर्व पर शहडोल में **yksd xk;u** एवं **uR;** से मस्ती छा जाएगी। लोकतंत्र का लोक उत्सव के इस आयोजन में विविध कार्यक्रमों का संयोजन किया गया है। 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। विभिन्न कलाओं के समागम का यह पहला और कलारसिकों को भाव–विभोर कर देने वाला दिन होगा। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lapkyuky;] laLd`fr foHkkx] Hkksiky** द्वारा **tulEidZ lapkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr ioZ** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr ioZ** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

भारत पर्व के अवसर पर मुन्नालाल यादव की टीम विरहा गायन की प्रस्तुति देंगे। इसी दिन मुन्नालाल तोमर की टीम दिवारी नृत्य की प्रस्तुति देंगे। यह लोकगायन एवं नृत्य चरवाहा एवं यादव समाज का परम्परागत नृत्य एवं गायन परम्परा है। इसका आयोजन दीपावली के समय होता है और पूर्णिमा तक इसकी महक बनी रहती है। बुंदेलखंड का यह पारम्परिक नृत्य एवं गायन परम्परा है। प्रायः दो पंक्तियों की लोक कविता जिसे बुंदेली में दिवारी कहा जाता है। दिवारी का आयोजन दीपावली से पन्द्रह दिन यानि पूर्णिमा तक चलता है। दीपावली के अवसर पर की जाने वाली गोवर्धन पूजा से इसका घनिष्ठ संबंध है।

भारत पर्व

vuiij e Hkkjr io ij uR; ukfVdk
^jkuh nxkorh* dk in'ku gkxk

vuiijA 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन भारत पर्व पर आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित विभिन्न कलाओं का यह समागम कलारसिकों को भाव–विभोर कर देगा। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए कार्यक्रमों की श्रृंखला में अनूपपुर में **ohjkxuk jkuh nxkorh uR; ukfVdk** की प्रस्तुति की जाएगी। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt lLFkku lpkyuky;] lLd`fr foHkkx] Hkkiky** द्वारा **tulEidZ lpkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr io** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr io** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

वीरांगना रानी दुर्गावती के शौर्य और बलिदान से समूचा ऋणी है। उन्होंने स्वाधीन भारत के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। ऐसी वीरांगना की गाथा को रफीक खैरागढ़ी ने नृत्य नाटिका में बेहद खूबसूरत ढ़ंग से पिरोकर प्रस्तुत किया है। उनके साहस और उनकी वीरता को अलग अलग भावों में जब दर्शक देखते हैं तो उनके सामने वीरांगना एक बार जीवंत हो जाती हैं। गणतंत्र पर्व के इस अवसर पर वीरांगना रानी दुर्गावती का स्मरण कर हम अपने आपको धन्य पाते हैं। यह नृत्य नाटिका दर्शकों को एक नये अनुभव देगी और लम्बे समय तक इसकी याद बनी रहेगी।

mefj;k esa Hkkjr ioZ ij
cSxk ,oa lSjk uR; dk izn'kZu

mefj;kA 1857 मुक्ति संग्राम के डेढ़ सौ वर्ष और स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ पूरे होने के अवसर पर देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन भारत पर्व पर आजादी के तराने गूंजेंगे और विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर आयोजित विभिन्न कलाओं का यह समागम कलारसिकों को भाव–विभोर कर देगा। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए कार्यक्रमों की श्रृंखला में उमरिया में **cSxk** एवं **lSjk uR;** की प्रस्तुति की जाएगी। भारत पर्व का आयोजन **Lojkt laLFkku lapkyuky;] laLd`fr foHkkx] Hkksiky** द्वारा **tulEidZ lapkyuky;** एवं **ftyk iz'kklu** के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित **Hkkjr ioZ** में प्रदेश की संगीत, नृत्य, नाटक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित 75 कला मंडलियों के कोई 1500 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ राष्ट्र को समर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस **Hkkjr ioZ** में 24 नाटक, 4 लोक संगीत, 13 लोक नृत्य, 6 बैले नृत्य, 16 शास्त्रीय संगीत एवं 4 शास्त्रीय नृत्य आदि प्रस्तुतियाँ होंगी।

श्री प्रेमलाल, नरसिंहपुर का नृत्य दल सैरा नृत्य की प्रस्तुति देंगे। सैरा नृत्य बुंदेलखंड में भुजरियों के अवसर पर गाये जाने वाले सैरा नृत्य के साथ नृत्य करने के कारण सैरा नृत्य कहलाता है। इस नृत्य में एक व्यक्ति सैरा को उठाता है और समूह से दुहरा कर उसके साथ नृत्य की विभिन्न मुद्राएं प्रस्तुत करता है। इस नृत्य में हर व्यक्ति के हाथ में डंडा होता है और इन डंडों पर एक दूसरे के डंडे पर चोट करते हैं। इस क्रिया से निकलने वाली ध्वनि संगीत का साथ देती चलती है। नृत्य करते समय सब लोग विभिन्न प्रकार की मुद्रा में स्वयं को प्रस्तुत करते हैं। नृत्य दल में अधिकतम बीस लोग होते हैं। इस नृत्य के लिए न कोई विशेष किस्म की सजावट होती है और न ही वस्त्र विशेष प्रकार के बनवाये जाते हैं। इसी दिन अर्जुन सिंह, डिण्डौरी का दल बैगा नृत्य की प्रस्तुति देगा। लोकनृत्यों की प्रस्तुति पूरे माहौल को लोकरंग के लोक उत्सव में सराबोर कर देगी और एक बार लोग गणतंत्र पर्व पर झूमने के लिए बेताब होंगे।